COPYRIGHT RESERVED SX/S-2/UG(H) — Hn (III)

2017

Time : 3 hours

Full Marks : 70

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

The figures in the margin indicate full marks.

उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं ।

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15×3 = 45

   (क) रीतिकाल नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

   (ख) रीतिकाल का प्रवर्त्तक किसे माना जा सकता है ? केशवदास या चिन्तामणि का अपना मत लिखिए ।

(ग) रीतिकाल की परिस्थितियों और विशेषताओं पर संक्षिप्त आलेख तैयार कीजिए ।

(घ) हिन्दी रीति साहित्य पर संस्कृत रीति साहित्य के प्रभाव का विवेचन कीजिए ।

(ङ) "भावपक्ष एवं कलापक्ष इन दोनों का चरमोत्कर्ष 'सतसई' के दोहों में दीख पड़ता है" — इस मान्यता के आलोक में बिहारीलाल की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5×3 = 15**

(क) रीतिकाल के आचार्य-कवियों का परिचय दें ।

(ख) नल-नीर के साथ नर के किस स्वभाव की तुलना बिहारी ने की है ।

(ग) रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध कवियों का परिचय दीजिए ।

(घ) मेरी भव बाधा हरौ ..... दोहे को पूरा लिखें और इस दोहे के रचयिता का नाम लिखिए ।

(ङ) भिखारी दास का परिचय दीजिए ।

3. निम्न में से किसी **एक** अवतरण की सप्रंसग व्याख्या कीजिए : 10

(क) चिर जीवो जोरी जुरै, क्यौं न सनेह गम्भीर
को घटि ये वृषभातुजा, वे हलधर के वीर ।

(ख) नहिं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहिकाल ।
अली कली ही सो बंध्यो, आगे कौन हवाल ॥

(ग) या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोय ।
ज्यों ज्यों बूड़े स्याम रंग, त्यौं-त्यौं उज्ज्वल होय ॥